मानवतावादी आन्दोलन

मानवतावादी आन्दोलन स्वयंसेवकों का एक अंतर्राष्ट्रिय संगठन है जिसका लक्ष्य है व्यक्ति एवं समाज का संपूर्ण परिवर्तन। जीवन के हरेक क्षेत्र, सामाजिक, सांस्कितिक, राजनीतिक, आर्थिक, एवं व्यक्तिगत आदि मानविय रूचि के हमेशा फैलते हुऐ सभी क्षेत्रों। मानवतावादी आन्दोलन के आधारिक सिधान्त हैं अहिन्सा एवं समानता के सिधान्त। मानवतावादी आन्दोलन कार्यरूप में आर्थिक रूप से स्वालम्बी, सबको शामिल करने वाला, एवं अंतर्राष्ट्रिय संगठन है।
जीवन के हर स्तर पर जैसेकि सामाजिक, व्यक्तिगत सांस्कितिक, राजनीतिक आर्थिक ,शिक्षा, औरतों, आदमियो विधार्थियों, पक्षपात इत्यादि मुददों के साथ साथ मानवतावादी आन्दोलन स्वपरिवर्तन की गतिविधियों का आयोजन करता है।

इसलिये मानवतावादी आन्दोलन की गतिविधियों को निम्न प्रकार से समझा जा सकता है ।

सामाजिक परिवर्तन ः मानवतावादी आन्दोलन के सदस्यों द्वारा आयोजित गतिविधियों अहिन्सा एवं समानता पर आधारित होती हैं। यह गतिविधियों स्वसंगठित एवं आर्थिक रूप से स्वालम्बी होती हैं। सदस्य अपने परिवेश के मुददों पर आपसी विचार विमर्ष से उनके हल निकालने के लिये गतिविधियां आयोजित करते हैं। हम अपने जीवन के प्रति जिम्मेदार बनकर जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन में कार्यरत्त हैं।
हम अपने परिवेश के मुददों पर आपसी विचार विमर्ष करके उनपर मानवतावादी द्रिष्टिकोण तैयार करते हैं, हम अपने को समितियोंनुसार संगठित करके चुने हुऐ मुददों के सम्भव हल के लिये एकजुट होकर कार्य करते हैं। यह सब मानव सहायता परियोजना के तहत किया जाता है जोकि पूरे विश्व में मानवतावादी आन्दोलन के हजारों सदस्यों की गतिविधियों के फलास्वरूप विकसित हुऐ हैं।

व्यक्तिगत परिवर्तन ः सामाजिक परिवर्तन के साथ साथ यह जरूरी है कि हम निरन्तर एक अच्छे इन्सान हृदयालु , शान्त, आन्तरिक रूप से मजबूत , एवं खुश ॰ भी बनें ताकि सामाजिक परिवर्तन का यह कार्य हम अपने आप में तथा अपने परिवेश में शान्ति आन्तरिक शक्ति और आनन्द के साथ कर सकें। इसके लिये मानवतावादी आन्दोलन में पूर्णरूपेन व्यापक कार्यप्रणाली है जोकि शथिलिकरण, शान्ति का अनुभव, मार्गदर्शित अनुभव, आन्दोलन की विचारधारा के विषयों पर चर्चा से आरम्भ होकर जीवनदर्षण की बहुत गहराई तक जाती है।

सगंठन ः मानवतावादी आन्दोलन का सगंठन में पूर्णरूपेन व्यापक साफ स्तर एवं कार्यप्रणाली है। हम अपने आपको 12 से 15 सदस्यों की जमीनस्तरिय परिषद के रूप में सगंठित करते है जिसमें सगंठनिक मार्गदर्शक, के साथ एक प्रशासकीय एवं एक सहायक सदस्य होता है। सामाजिक गतिविधियों के लिये सदस्य अपनी रूची विशेषता और समयनुसार किसी भी समिती में भाग लेते हैं।
हरेक जमीनस्तरिय परिषद साप्ताहिक बैठक के माध्यम से योजनाबद्ध गतिविधियों ह्सामाजिक एवं व्यक्तिगत परिवर्तन गतिविधियां ॰ का सचांलन करती है।